आकाशवाणी केन्द्र शिमला

05.06.2025 / प्रादेशिक समाचार / 09:20बजे

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व् पर्यावरण दिवस आज मनाया जा रहा है। प्रकृति और पृथ्वी के संरक्षण के लिए सकारात्मक पर्यावरणीय कार्रवाई के प्रति दुनिया भर में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से यह दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का विषय है –प्लासस्टिक प्रदूषण को परास्त् करना। इस अवसर पर देश भर में कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री–पर्यावरण दिवस

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत नई दिल्ली के भगवान महावीर वनस्थली पार्क में विशेष पौधरोपण अभियान की शुरूआत करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री बरगद का पौधा लगाएंगे। वहीं, भारतीय जनता पार्टी आगामी दिनों में विकसित भारत का अमृतकाल, सेवा सुशासन गरीब कल्याण के 11 साल मनाने के साथ–साथ कई कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। प्रदेश भाजपा महामंत्री त्रिलोक कपूर ने बताया कि आज विश्व पर्यावरण दिवस, 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 23 जून को श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस और 25 जून को आपातकाल के काले अध्याय के 50वें वर्ष जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इधर, विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेश में भी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शिमला में होने वाले राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री पर्यावरण संरक्षण को लेकर करवाई गई विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित करेंगे।

राज्यपाल

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने विशेष ओलंपिक खिलाड़ियों के योगदान को सराहने और उन्हें भरपूर सहयोग देने पर बल दिया है। शिमला में कल स्पेशल ओलंपिक्स भारत–हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाज और सरकार दोनों को विशेष खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करने और उनका उत्साहवर्द्धन करने के लिए आगे आना चाहिए। इस समारोह का आयोजन जर्मनी के बर्लिन में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड समर गेम्स–2023 और ईटली में आयोजित होने वाले वर्ल्ड विंटर गेम्स–2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों के सम्मान में आयोजित किया गया। ईटली के टयूरिन में आयोजित प्रतियोगिता में 49 सदस्यों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। इनमें से 15 खिलाड़ी हिमाचल प्रदेश से संबंधित थे। भारत ने इन खेलों में 33 पदक जीते।

तबादला प्रतिबंध

प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षण कार्य के सुचारू संचालन के दृष्टिगत राज्य सरकार ने सभी सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षण स्टाफ के स्थानांतरण पर आज से पूर्ण

प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है। यह निर्णय वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2025–26 की समाप्ति तक जारी रहेगा। प्रदेश सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।

शिमला ग्रीष्मोत्सव

आज अंतर्राष्ट्रीय ग्रीष्मोत्सव शिमला की पांचवी व अंतिम सांस्कृतिक संध्या है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू मुख्यातिथि होंगे।

.अंतर्राष्ट्रीय ग्रीष्मोत्सव शिमला की चौथी सांस्कृतिक संध्या में फिरदौस बैंड व इंडियन आईडल फेम कुमार साहिल ने खूब धमाल मचाया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, (कर्नल) धनी राम शांडिल ने सांस्कृतिक संध्या में बतौर मुख्यतिथि शिरकत की और आयोजन के लिए जिला प्रशासन को बधाई दी। इसके अलावा उत्सव में पहाड़ी कलाकारों ने भी मधुर आवाज से लोगों का खूब मनोरंजन किया। आज अंतर्राष्ट्रीय शिमला समर फैस्टिवल की पांचवी व अंतिम सांस्कृतिक संध्या में मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश सुखविंद्र सिंह सुक्खू मुख्यातिथि होंगे। अंतिम संध्या में इंडियन आइडल फेम नेहा दीक्षित और प्रसिद्ध पंजाबी गायक अखिल मुख्य आकर्षण का केंद्र होंगे।

मौसम

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में आज हल्के बादल छाए हुए हैं। हालांकि बीती रात कुछ स्थानों पर वर्षा जबकि अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हुई है। इससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार प्रदेश के अधिकांश भागों में आगामी 24 घंटों के दौरान बारिश, अधंड़ व बिजली चमकने का येलो अलर्ट रहेगा। इस बीच चम्बा जिला के साच पास दर्रे पर बर्फबारी में फंसे सभी लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। दर्रे पर फंसे शेष 10 लोगों को कल देर शाम वहां से निकल लिया गया है जबकि इससे पूर्व 35 लोगों को रेस्क्यू किया गया था। ये लोग घूमने के लिए दर्रे पर गए थे लेकिन अचानक हुई बर्फबारी में फंस गए थे।

वहीं चंबा के उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने पर्यटकों व स्थानीय लोगों से मौसम विभाग की एडवाइजरी को देख कर ही साच दर्रे पर सफर करने का आहवान किया है।

साच पास पर बर्फ देखने के लिए जाते हैं, उन्हें भी निराश बैरागड पोस्ट से ना लौटना पड़े, क्योंकि रोड़ खुल चुका था और अच्छी मात्रा में वहां बर्फ गिरीं इसी के कारण थोड़ वहां पर इसूज आए। तो एक बार रोड़ क्लीयर हो जाए, तब वी विल स्टार्ट दिस। शाम के बाद जो यात्री हैं, उनको उपर न भेजा जाए, जैसे–जैसे रात बढ़ती जाती है, शाम बढ़ती जाती है, तो सार्च का जो वैदर है, वो बड़ा विमश्किल है, सडनली वहां पर मौसम कई बार बदल जाता है। तो इस चीज के लिए वहां पर ये व्यवस्था इंपलीमेंट की जाएगी ये सूचना जितनी भी है, जितने भी हमारे टूर ऑपरेटर हैं, चाहे वो वैरागढ़

स्थित हों, सार्च के हों या डल्हौजी स्थित हों, उनके साथ भी सांझा कर दी गई है, जो भी अगर प्लान करते हैं, वो वहां पर टूरिस्ट का तो अर्ली मॉर्निंग में प्लान करें ताकि विफोर इवनिंग टूरिस्ट अपना इंज्वाय करके वापिस आ सकें।

अब सुर्खियां समाचार पत्रों से...

अमर उजाला की सुर्खी है–अस्पतालों में पर्ची के 10 रूपये लगेंगे, एक्सरे, अल्ट्रासाउंड व ईसीजी का भी देना होगा शुल्क। पंजाब केसरी लिखता है– ओ.पी.डी. पर्ची पर 10 रूपये शुल्क, 133 टैस्ट निशुल्क ही होंगे। दिव्य हिमाचल के अनुसार– सरकारी अस्पतालों में पर्ची बनाने के लगेंगे 10 रूपये।